

ब्रह्म बार्य

EXTRAORDINARY

भाग ।---सम्ब 1

PART I-Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

चं० 203] नई विस्सी, बृहस्पतिवार, विसम्बर 10, 19 70/प्रग्रहायण 19, 189 2 No. 203] NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 10, 1970/AGRAHAYANA 19, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था थी जाती है जिससे कि यह सलग संशलन के कप में रजा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE

PUBLIC NOTICE

IMPORT TRADE CONTROL

New Delhi, the 10th December 1970

Subject.—Import from U.S.A. under U.S. AID commodity Programme Assistance— Revalidation of licences issued under (i) U.S. AID Loan No. 386-H-176/ 184 and (ii) U.S. AID Loan No. 386-H-196.

No. 179-ITC(PN)/79.—Attention is invited to the Ministry of Foreign Trade Public Notice No. 76-ITC(PN)/70, dated the 28th May, 1970 issued on the above mentioned subject.

2. Following signing of the new AID non-project loan agreement (Loan No. 386-H-207), the question of further revalidation of import licences has been considered and it has been decided that licences issued on or after 1st January, 1970 may be revalidated on a request, upto fifteen months from the date of issue of the licence or 31st March, 1972 (exclusive of the usual one month grace pariod), whichever is earlier. This revalidation will, however, be admissible only if the authorisation letters for opening letters of credit issued by the Ministry of Finance

against the licences are exclusively under Loan No. 386-H-207, or where the importer certifies that no authorisation letter for opening letter of credit has been applied for or obtained in respect of any portion of the licence. The payments to U.S. suppliers should be finalised within thirty days from the date of shipment.

- 3. Importers holding AID licences issued on or after 1st January, 1970, seeking revalidation, should apply direct to the licensing authority concerned for extension in the validity period admissible in terms of this Public Notice. The request may be accompanied by true copies of all authorisation letters issued by the Ministry of Finance against the licence, or the importer's certificate referred to above, as the case may be.
- 4. Importers already holding letter-of-credit-authorisations under AID Loan No. 386-H-207 should apply to the Ministry of Finance for corresponding extension in the authorisations, with a letter, where necessary, from the bank which furnished the relative guarantee, extending the basic validity of the guarantee upto one month beyond the last date permissible for finalisation of payments.

R. J. REBELLO,
Chief Controller of Imports & Exports.

विवेश व्यापार मन्त्राज्ञय सार्वजनिक सूचना प्राथात व्यापार नियक्त्रण

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1970

विषय:-संयुक्त राज्य ए०आई०डी० पण्यवस्तु कार्यक्षम सहयोग के अन्तर्गत संयुक्त राज्य अमरीका से आयात-(1) संयुक्त राज्य ए०आई०डी० ऋण संख्या 386-एच-176/184 और (2) संयुक्त राज्य ए०आई०डी० ऋण संख्या 386 एच-196 के अन्तर्गत जारी किए गए लाडमेंस का पुनवैधीकरण 1

सं० 179 **माई० दी० सी० (पी० एत०**)/70:——उपर्युक्त विषय पर विदेश व्यापार मंत्रालय बारा जारी की गर्ट सार्वजनिक सूचना संख्या 76—ब्राईटीसी (पीएन)/70 विनांक 28 मई, 1970 की क्रोर थ्यान ब्राइज्ट किया जाता है।

2. नये ए० ग्राई० डी० गैर परियोजना ऋण करार (ऋण संख्या 386-एच-207) को हस्ताक्षरीकरण के प्रकार भागात लाइसेंसी के और पुनर्वधीकरण के प्रकार किया गया है और यह निष्चय किया गया है कि 1 जनवरी, 1970 को या उसके बाद जो लाइसेंस जारी किए गए हैं अनुरोध किए जाने पर लाइसेंस के जारी होने की निधि से 15 महीने तक या 31 मार्च, 1972 तक (एक महीने की साजान्य रियायती अवधि को छोड़कर) जो भी पहले हो, पुनर्वैंच हो सकती हैं। लेकिन, यह पुनर्विधीकरण केवल तभी स्वीकार्य होगी यदि इस लाइसेंस के लिए माख-पत्न खोले जाने के लिए विश्व मंत्रालय द्वारा जारी किए गए प्राधिकरण-पन्न पूर्णतया इस ऋण संख्या 38 6-एच-207 के अन्तर्गत हैं और जब आयातक यह प्रमार्गित कर देता है कि माख-पन्न खोलनेके लिए प्राधिकरण-पन्न के लिए भावेदन नहीं किया गया है या लाइसेंस के किसी श्रंण के लिए इसे प्राप्त नहीं किया गया है। यू०एस० संभरकों को भगतान का निश्चयकरण जहाज लदान की तारीख से 30 दिनों के भीतर हो जाना चाहिए।

- 3. जिन मायातकों के पास पहली जनवरी, 1970 को या इसके बाद के जारी किए गए लाइसेंस हैं भीर व उनका पुनर्वेधीकरण काना चाहते हैं, तो उन्हें इस सार्वजानिक सूचना की शर्तों के मन्तर्गत पुनर्वेधीकरण के लिए स्वीकार्य अविध वृद्धि के लिए सम्बन्धित लाइसेंस प्राधिकारी को सीधे ही भावदन करना चाहिए। मावेदन पस्न लाइसेंस के लिए वित्त मंवालय द्वारा जारी किए गए सभी प्राधिकरण पस्नों की सन्य प्रतिलिपियों के साथ या उपर्युक्त उल्लिखित भायातकों के प्रमाण-पन्न के साथ जैसा भी मामला हो प्रस्तुत किए जाने चाहिए।
- 4. जिन भ्रायातकों के पास ए० भ्राई० डी॰ ऋण संया 386-एच-207 के भन्तर्गत साख-भ्राधि— करण पत्न पहले से ही है, तो उन्हें प्राधिकरण के भीतर सम्बन्धित वृद्धि के लिए, जहाँ भ्रावश्यक हो, जिस श्रैंक ने सम्बन्धित गारंटी भेजी थी, उससे प्राप्त एक एसे पत्न के साथ, जो भृगतान का निपटारा कराने के लिए एक माह की अन्तिम स्वीकार्य भ्रविध के परे भी गारंटी की बैधता को बढ़ाते हुए हो, ब्रिल मंझालय को भ्रावेदन करना चाहिए।

म्रार० जे० रवेंशी, मुक्य नियंत्रक भ्रायात-नियति ।